मनसा देवी चालीसा

॥चालीसा॥

मनसा माँ नागेश्वरी,

कष्ट हरन सुखधाम।

चिंताग्रस्त हर जीव के,

सिद्ध करो सब काम॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

देवी घट-घट वासिनी,

ह्रदय तेरा विशाल।

निष्ठावान हर भक्त पर,

रहियो सदा तैयार॥

पदमावती भयमोचिनी अम्बा,

सुख संजीवनी माँ जगदंबा।

नशा पूरक अमर अनंता,

तुमको हर चिंतक की चिंता॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

कामधेनु सम कला तुम्हारी,

तुम्ही हो शरणागत रखवाली।

निज छाया में जिनको लेती,

उनको रोगमुक्त कर देती॥

धनवैभव सुखशांति देना,

व्यवसाय में उन्नति देना।

तुम नागों की स्वामिनी माता,

सारा जग तेरी महिमा गाता॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

महासिद्धा जगपाल भवानी,

कष्ट निवारक माँ कल्याणी।

याचना यही सांझ सवेरे,

सुख संपदा मोह ना फेरे॥

परमानंद वरदायनी मैया,

सिद्धि ज्योत सुखदायिनी मैया।

दिव्य अनंत रत्नों की मालिक,

आवागमन की महासंचालक॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

भाग्य रवि कर उदय हमारा,

आस्तिक माता अपरंपारा।

विद्यमान हो कण कण भीतर,

बस जा साधक के मन भीतर॥

पापभक्षिणी शक्तिशाला,

हरियो दुख का तिमिर ये काला।

पथ के सब अवरोध हटाना,

कर्म के योगी हमें बनाना॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

आत्मिक शांति दीजो मैया,

ग्रह का भय हर लीजो मैया।

दिव्य ज्ञान से युक्त भवानी,

करो संकट से मुक्त भवानी॥

विषहरी कन्या, कश्यप बाला,

अर्चन चिंतन की दो माला।

कृपा भगीरथ का जल दे दो,

दुर्बल काया को बल दे दो॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अमृत कुंभ है पास तुम्हारे,

सकल देवता दास तुम्हारे।

अमर तुम्हारी दिव्य कलाएँ,

वांछित फल दे कल्प लताएँ॥

परम श्रेष्ठ अनुकंपा वाली,

शरणागत की कर रखवाली।

भूत पिशाचर टोना टंट,

दूर रहे माँ कलह भयंकर॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

सच के पथ से हम ना भटके,

धर्म की दृष्टि में ना खटके।

क्षमा देवी, तुम दया की ज्योति,

शुभ कर मन की हमें तुम होती॥

जो भीगे तेरे भक्ति रस में,

नवग्रह हो जाए उनके वश में।

करुणा तेरी जब हो महारानी,

अनपढ बनते है महाज्ञानी॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

सुख जिन्हें हो तुमने बांटें,

दुख की दीमक उन्हे ना छांटें।

कल्पवृक्ष तेरी शक्ति वाला,

वैभव हमको दे निराला॥

दीनदयाला नागेश्वरी माता,

जो तुम कहती लिखे विधाता।

देखते हम जो आशा निराशा,

माया तुम्हारी का है तमाशा॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

आपद विपद हरो हर जन की,

तुम्हें खबर हर एक के मन की।

डाल के हम पर ममता आँचल,

शांत कर दो समय की हलचल॥

मनसा माँ जग सृजनहारी,

सदा सहायक रहो हमारी।

कष्ट क्लेश ना हमें सतावे,

विकट बला ना कोई भी आवे॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

कृपा सुधा की वृष्टि करना,

हर चिंतक की चिंता हरना।

पूरी करो हर मन की मंशा,

हमें बना दो ज्ञान की हंसा॥

पारसमणियाँ चरण तुम्हारे,

उज्वल करदे भाग्य हमारे।

त्रिभुवन पूजित मनसा माई,

तेरा सुमिरन हो फलदाई॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

इस गृह अनुग्रह रस बरसा दे,

हर जीवन निर्दोष बना दे।

भूलेंगें उपकार ना तेरे,

पूजेंगे माँ सांझ सवेरे॥

सिद्ध मनसा सिद्धेश्वरी,

सिद्ध मनोरथ कर।

भक्तवत्सला दो हमें सुख संतोष का वर,

सुख संतोष का वर॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

मैया जी से जय माताजी कहियो,

कहियो जी माँ के लाडलो॥

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- चामुंडा देवी
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा
- वीरभद्र चालीसा
- मनसा देवी

- कैला चालीसा
- नरसिंह चालीसा
- ज्वाला चालीसा
- नैना देवी चालीसा
- जीण चालीसा
- कुबेर चलीसा
- चित्रगुप्त चालीसा

हिन्दीपथ.कॉम